दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शुक्रवार 07 मई 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 216

महत्वपूर्ण एवं खास

आसाराम बापू को हुआ कोरोना

जोधपुर (आरएनएस)। रेप मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे विवादित धर्मगुरु आसाराम बापू को कोरोना हो गया है। जानकारी के अनुसार आसाराम को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। उनके साथ 12 अन्य कैदी भी पॉजिटिव पाये गये हैं। 80 साल के आसाराम ने बेचैनी की शिकायत की थी। अधिकारियों ने बताया कि आसाराम को जोधपुर एम्स में शिफ्ट करने की तैयारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की चुनाव आयोग की याचिका

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की मौखिक टिप्पणी की रिपोर्टिंग से मीडिया को प्रतिबंधित करने के लिए भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा की गई याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि उसने मद्रास उच्च न्यायालय की आलोचनात्मक टिप्पणी के खिलाफ चुनाव आयोग की अपील पर फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा चुनाव आयोग के खिलाफ मद्रास उच्च न्यायालय की टिप्पणियां न्यायिक आदेश का हिस्सा नहीं है, अतः उन्हें हटाए जाने का कोई सवाल नहीं उठता। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि मीडिया को अदालत की कार्यवाही की रिपोर्टिंग करने का अधिकार है। उसने कोविड-19 फैलने के लिए निर्वाचन आयोग को जिम्मेदार ठहराने वाली मद्रास उच्च न्यायालय की टिप्पणियों को कठोर बताया। उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ मद्रास उच्च न्यायालय की टिप्पणियों पर कहा बिना सोचे-समझे की गई टिप्पणियों की गलत व्याख्या किए जाने की आशंका होती है। कोर्ट ने कहा कि अब लोग अधिक डिजिटल उन्मुख हैं और इसलिए सूचना के लिए इंटरनेट की ओर देखते हैं। नए माध्यम को रिपोर्टिंग कार्यवाहियों से रोकने के लिए यह अच्छा नहीं होगा। संवैधानिक निकाय इस बारे में शिकायत करने की तुलना में बेहतर करेंगे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि विचारों का आदान-प्रदान पार्टियों को बाध्य नहीं करता है और निर्णय का हिस्सा बनता है।

दाह संस्कार में जुटे श्मशान घाट में वज्रपात से दो युवक झुलसे

रामगढ़ (आरएनएस)। रामगढ़ प्रखंड के बारलोंग पंचायत निवासी पति राम महतो (37 वर्षीय) पिता लखन महतो पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे अचानक गुरुवार को घर पर ही तबीयत बिगड़ गई और अपने बाथरूम में गिर पड़े स्थिति को देख उक्त युवक की बेहतर इलाज के लिए रामगढ़ ले जाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा इलाज के दौरान युवक अस्पताल में निधन हो गया परिजनों द्वारा निधन के बाद उसको अपने पैतृक गांव बारलौंग लाया गया। युवक के निधन पर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है और उसकी अंतिम संस्कार के लिए बारलोंग नाला श्मशान घाट ले जाया गया जहां पर गांव के दर्जनों लोग अंतिम संस्कार के लिए जुटे थे कि अचानक आंधी तूफान के साथ बिजली की कड़क हुई और ठनका गिरा जिससे शव के अंतिम संस्कार में जुटे, ग्रामीण तिलेश्वर महतो (40 वर्षीय) पिता अमरलाल महतो एवं टिंकू महतो (30 वर्षीय)पिता खेमनाथ महतो को आकाशीय बिजली के गिरने से दोनो युवक श्मशान घाट पर ही बुरी तरह से घायल हो गये घटनास्थल पर वज्रपात से झुलसे दोनों युवकों को रामगढ़ इलाज के लिए ले जाया गया जहां इलाज के बाद दोनों घायलों को चिकित्सकों द्वारा घर सकुशल वापस भेज दिया गया।

कोरोना के प्रकोप ने देश में मचाया कोहराम... 24 घंटों में 4.12 लाख से ज्यादा नये मरीज

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर की खतरनाक रफ्तार के प्रकोप से चौतरफा हाहाकार मचा हुआ है। लोगों मे बढ़ती दहशत के माहौल में पिछले एक दिन में एक बार फिर रिकॉर्ड 4.12 लाख से ज्यादा नए कोरोना मरीज सामने आए हैं और 3,982 की मौत हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को जारी आंकड़ो के अनुसार कोरोना मरीजों और कोविड से होने वाली मौतों की संख्या में लगातार इजाफे के कारण पूरा देश पस्त है। देश के ज्यादातर राज्यों में पाबंदियों के बावजूद कोरोना संक्रमण के मामलों में कमी आने का नाम नहीं ले रही है। पिछले 24 घंटों में देश में एक बार फिर से रिकॉर्ड 4,12,262 नए कोरोना मरीज मिले हैं, जिसके बाद देश में संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 2,10,77,410 हो गई है। इस दौरान एक दिन में 3,980 लोगों की कोरोना से मौत होने के बाद देश में अब तक कोरोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या 23,01,68 पहुंच गई। देश में महामारी के दस्तक देने से लेकर अब तक का नए कोरोना मरीजों यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। देश में दूसरी बार संक्रमण के मामले चार लाख से ऊपर गए हैं। इससे पहले 30 अप्रैल को 4,02,351 मामले सामने आए थे। देश में दहशत के माहौल में लगातार बढ़ते कोरोना मरीजों की वजह से देश भर के अस्पतालों में बेड, वेंटिलेटर, रेमडेसिविर और ऑक्सीजन की किल्लत जारी है। सैकड़ों लोग बिना इलाज के ही दम तोड़ रहे हैं। शवों के अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाटों पर कई कई घंटों का इंतजार करना पड़ रहा है।

सक्रीय मरीज 35.66 लाख के पार- देश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या बेहद तेजी से बढ़ रही है। देश में पिछले 24 घंटों में 3,29,113 कोरोना को मात देकर अपने घर लौट गए हैं। मसलन अब तक देश में अब तक 1,72,80,844 लोग कोरोना से जिंदगी की जंग जीत चुके हैं। रोजाना के आधार पर दर्ज होने वाले नए कोरोना केसों की तुलना में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या कम है। फिलहाल, देश में सक्रिय मामले बढ़कर 35,66,398 पहुंच गए हैं। सक्रिय मामलों की संख्या अमेरिका के बाद सबसे अधिक भारत में है।

देश में 16.25 करोड़ लोगों का टीकाकरण- देश में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान जारी है। अब तक 16,25,13,339 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। बता दें कि 1 मई से कोविड टीकाकरण का तीसरा चरण शुरू हो चुका है। इसमें 18 साल से ऊपर के लोगों को कोविड का टीका लगाया जा रहा है। हालांकि, अभी यह सभी राज्यों में शुरू नहीं हुआ है।

महाराष्ट्र में सबसे अधिक मामले- देश के शीर्ष पांच राज्य जिन्होंने अधिकतम मामले दर्ज किए हैं, 57,640 मामलों के साथ महाराष्ट्र हैं, इसके बाद कर्नाटक में 50,112 मामले हैं, केरल में 41,953 मामले हैं, 31,111 मामले के साथ उत्तर प्रदेश और 23,310 मामले हैं। नए मामलों के 49.52 प्रतिशत मामलों की रिपोर्ट इन पांच राज्यों में से है, जिनमें अकेले महाराष्ट्र 13.98 प्रतिशत नए मामलों के लिए जिम्मेदार है। पिछले 24 घंटों में 3,980 मौतों में से महाराष्ट्र में सर्वाधिक 920 मौतें हुई, इसके बाद उत्तर प्रदेश में 353 मौतें हुई। देश प्रतिदिन 3.5 लाख कोविड -19 मामलों और 3,000 से अधिक मौतों की रिकॉर्डिंग कर रहा है।

राज्यों के पास 89 लाख से अधिक वैक्सीन उपलब्ध- देश के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास 89 लाख 31 हजार 505 कोविड-19 वैक्सीन उपलब्ध है तथा अगले तीन दिनों में 28 लाख से अधिक और खुराक मिल जायेगी। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक केंद्र की ओर से राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों को अब तक 17 करोड़ 15 लाख 42 हजार 410 मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध कराये गये हैं। बयान के मुताबिक 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में बुधवार को 18-44 आयु वर्ग के कुल 2,30,305 लाभार्थियों को बुधवार को वैक्सीन की पहली खुराक दी। इस आयु वर्ग में अब तक कुल 9,02,731 लोगों को टीके लगाये जा चुके हैं।

एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने मार गिराये 3 आतंकी, एक ने किया आत्मसमर्पण

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां सेक्टर में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच गुरुवार की सुबह हुई मुठभेड़ में तीन आतंकियों को मार गिराया गया है। वहीं एक नए भर्ती हुए आतंकवादी ने सरेंडर कर दिया। कश्मीर जोन पुलिस के मुताबिक, भर्ती होने वाले आतंकी की पहचान तौसीफ अहमद के रूप में की गई है, वो अल बदर आतंकी संगठन में शामिल होने वाला नया आतंकी था। तड़के बताया गया था कि मुठभेड़ शोपियां के कनिगाम में शुरू हो गई है और कुछ आतंकी सुरक्षा बलों के घेरे में आ गए हैं। इससे पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जानकारी दी थी कि शोपियां में जहां मुठभेड़ हो रही है वहां अल-बदर के चार नए भर्ती किए हुए स्थानीय आतंकी घेरे में आ गए हैं। पुलिस का कहना है कि हम कोशिश कर रहे हैं कि वो हथियार डाल कर समर्पण कर दें। बता दें कि पिछले महीने ही सुरक्षाबलों ने आतंकी संगठन अल बदर के एक आतंकी को गिरफ्तार किया था जिसके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ था। आतंकी की पहचान गुलज़ार अहमद भट निवासी बथपोरा अरवानी अनंतनाग के रूप में हुई थी। मार्च के महीने में भी जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले के सोपोर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली थी। आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने आतंकवादी संगठन अल-बदर का डिवीजनल कमांडर गनई ख्वाजा को ढेर कर दिया था। मारे गए आतंकी से हथियार और ढेर सारी गोलियां बरामद की गई थीं।

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने की तैयारी शुरू करे सरकार, केंद्र सरकार बच्चों के भी टीकाकरण सुनिश्चित करें: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह कोविड-19 की तीसरी लहर के लिए तैयारी शुरू करे, यह कहते हुए कि जनता के बीच दहशत को रोकने के लिए बफर स्टॉक बनाना महत्वपूर्ण है। दिल्ली को ऑक्सीजन की आपूर्ति पर एक सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा कि वह भारत-कोरोनोवायरस की तीसरी लहर की तैयारी के लिए एक अखिल भारतीय दृष्टिकोण विकसित करे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऑक्सीजन के आवंटन के लिए आधार को भारत से तीसरी लहर के हमले से पहले ऑडिट से पुनः प्राप्त किया जा सकता है। केंद्र को अखिल भारतीय आधार पर ऑक्सीजन की आपूर्ति के मुद्दे को देखने की जरूरत है। जस्टिस ने कहा कि ऑक्सीजन ऑडिट को देखने की जरूरत है और साथ ही ऑक्सीजन के पुनर्विकास का आधार भी है। कोरोना वायरस के आतंक को कम करने के लिए बफर स्टॉक बनाना महत्वपूर्ण है, कोर्ट ने उल्लेख किया, और कहा कि राज्यों को ऑक्सीजन आवंटित करने के लिए केंद्र के सूत्र को पूरी तरह से सुधार की आवश्यकता है। कोरोना वायरस की तीसरे लहर क भयावक खतरे को चेताते हुए कोर्ट ने कहा कि सरकारे इसे संभालने के लिए आज ही तैयारी करें। तीसरी लहर के दौरान बच्चे प्रभावित हो सकते हैं, बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित करें। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को बताया, तीसरी लहर, नीत आकांक्षाओं और नर्सों का सहारा लेकर इस महामारी से निपटने के लिए अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत करें। कोर्ट ने कहा यदि केंद्र नीति निर्धारण में त्रुटि करते हैं, तो, आपको इसके लिए जिम्मेदार और जवाबदेह ठहराया जाएगा।

कोविड उपचार से संबंधित आपूर्ति राज्यों को प्रभावी ढंग से आवंटित

नईदिल्ली (आरएनएस)। पिछले कुछ सप्ताहों के दौरान देश में कोविड-19 के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा रोजाना बढ़ते मामलों और बढ़ती मृत्युदर के कारण दबाव में आ गया है।

वसुधैव कुटुम्कम् की भावना का पालन करते हुये, विश्व समुदाय ने मदद का हाथ बढ़ाया है और वैश्विक कोविड-19 महामारी के खिलाफ जंग में भारत के प्रयासों को समर्थन दिया है।

भारत सरकार को 27 अप्रैल के बाद से ही कोविड-19 राहत सामग्री, मेडिकल आपूर्ति और उपकरण अंतर्राष्ट्रीय सहायता के रूप में मिलते रहे हैं। ये सहायता विभिन्न देशों से प्राप्त हुई है। जो भी सामग्री अब तक मिली है, उन्हें राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को आबंटित किया गया। राहत सामग्री का बड़ा हिस्सा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पहुंचाया गया है। यह लगातार चलने वाली गतिविधि है। इसका उद्देश्य है कि विभिन्न उपायों और जरियों से सहायता दी जाये, ताकि इस संकट की घड़ी में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को महामारी से लड़ने में मजबूती मिले।

दूसरी तरफ,देशभर में टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण के शुरू होते ही कोविड टीकाकरण की कुल तादाद आज 16.25 करोड़ को पार कर गई।

12 राज्यों में 18-44 आयुवर्ग के 9,04,263 लोगों को टीके की पहली खुराक लग चुकी है। इन राज्यों में छत्तीसगढ़ (1026), दिल्ली (1,29,096), गुजरात (1,96,860), जम्मू-कश्मीर (16,387), हरियाणा (1,23,484), कर्नाटक (5,328), महाराष्ट्र (1,53,966), ओडिशा (21,031), पंजाब (1,535), राजस्थान (1,80,242), तमिलनाडु (6,415) और उत्तरप्रदेश (68,893) शामिल हैं।

आज सात बजे प्रातः तक मिली रिपोर्ट के अनुसार 29,34,8444 सत्रों के जरिये कुल 16,25,13,339 वैक्सीन की खुराक दी गई। इनमें 94,80,739 स्वास्थ स्विधा कर्मी (एचसीडब्लू) हैं, जिन्होंने पहली खुराक ली और 63,54,113 स्वास्थ सुविधा कर्मियों ने दूसरी खुराक ली। इसके अलावा 1,36,57,354 अग्रिम पंक्ति के कर्मियों (एफएलडब्लू) ने पहली और 74,25,592 ने दूसरी खुराक ली। इसी तरह 18-45 आयुवर्ग के 9,04,263 साधारण लोगों ने पहली खुराक, 1,29,15,354 अन्य लाभार्थियों (60 वर्ष से अधिक) ने पहली और 5,31,16,901 ने दूसरी खुराक ली। पैंतालीस से 60 वर्ष के लाभार्थियों में से 5,38,15,026 को पहली और 48,43,429 को दूसरी खुराक दी गई। पिछले 24 घंटों में 19 लाख से अधिक टीकों की खुराक दी गई।

प्रधानमंत्री ने की कोरोना संकट पर समीक्षा बैठक

» देश में टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाने के दिये निर्देश

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में जारी कोरोना की दूसरी लहर के प्रकोप को लेकर हालातों की समीक्षा की। इस दौरान हुई समीक्षा बैठक उन्होंने टीकाकरण की गति को तेज करने के निर्देश दिये। की है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड-19 पर जनस्वास्थ्य प्रतिक्रिया की समीक्षा के दौरान राज्यवार और जिलावार स्थिति का जायजा लिया। पीएमओ द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश दिया कि स्वास्थ्य ढांचे को दुरूस्त करने में राज्यों को सहयोग, मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। पीएम मोदी ने टीकाकरण की प्रगति, अगले कुछ महीने में टीकों का उत्पादन बढ़ाने के रोडमैप की भी समीक्षा की है। पीएम मोदी ने कहा कि राज्यों को जागरूक करने की जरूरत है ताकि टीकाकरण की गति धीमी नहीं पड़े। प्रधानमंत्री मोदी ने दवाओं की उपलब्धता की समीक्षा की, रेमडेसिविर सहित दवाओं का उत्पादन तेज करने के लिए कहा है। समीक्षा बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा है कि लॉकडाउन के बावजूद लोगों को टीकाकरण की सुविधा दी जानी चाहिए, टीकाकरण में शामिल स्वास्थ्यकर्मियों को किसी और कार्य में नहीं लगाया जाना चाहिए। पीएम ने टीकाकरण और अगले कुछ महीनों में टीकों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए रोडमैप की प्रगति की समीक्षा की।

केन्द्र ने राज्यों को अब तक 17 करोड़ 15 लाख कोरोना वैक्सीन की डोज़ फ्री मुहैया कराई

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत सरकार सम्पूर्ण सरकार सोच के साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का सहयोग लेकर कोविड-19 वैश्विक महामारी के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर रही है। टीकाकरण (वैक्सीनेशन) इस महामारी के नियंत्रण एवं प्रबन्धन भारत सरकार की उस पांच सूत्रीय रणनीति का एक अभिन्न अंग है जिसमें परीक्षण, पता लगाना, उपचार एवं कोविड उपयुक्त व्यवहार शामिल हैं।

01 मई से कोविड-19 टीकाकरण की उदारीकृत एवं त्वरित चरण 3 रणनीति का क्रियान्वयन शुरू हो गया है। नए पात्र जनसंख्या समूहों के पंजीकरण का कार्य पिछले महीने की 28 अप्रैल से शुरू हो गया है। सम्भावित लाभार्थी सीधे सीओडब्ल्यूआईएन पोर्टल अथवा आरोग्य सेतु ऐप के माध्यम से अपना पंजीकरण करवा सकते हैं।

भारत सरकार ने अब तक राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को वैक्सीन की लगभग 17.15 करोड़ खुराकें निःशुल्क उपलब्ध करवाई हैं। इसमें से आज सुबह 8 बजे तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अपव्यय सहित कुल खपत 16 करोड़ 25 लाख 10 हजार 905 खुराकों का उपयोग हुआ है। जनता को टीका लगाए जाने के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के पास अभी भी 89 लाख से अधिक डोजेज-खुराकें उपलब्ध हैं। ऋणात्मक शेष दिखाने वाले राज्य उन्हें उपलब्ध करवाई गई वैक्सीन्स से अधिक खपत दिखा रहे हैं, इसमें अपव्यय (टीकों की बर्बादी) भी शामिल है क्योंकि इन राज्यों ने उन टीकों का ब्यौरा नहीं दिया है जो इन्होनें सेना को भेजे थे। साथ ही, आने वाले तीन दिनों में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को इसके अतिरिक्त 28 लाख से अधिक डोजेज और मिल जाएंगी।

रेलवे ने अब तक चार हजार 4 सौ कोविड देखभाल डिब्बों में 70 हजार आइसोलेशन बिस्तर उपलब्ध कराए

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोविड महामारी से जारी भारत के संघर्ष में रेल मंत्रालय यथासंभव और तत्परता से सहयोग कर रहा है और कदम उठा रहा है। इसमें राज्यों की मांग पर कोविड देखभाल डिब्बों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर उपलब्ध करने से लेकर मानव संसाधन और सामानों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर सुगम आवाजही शामिल है। भारतीय रेलवे ने अब तक 4400 रेल डिब्बों को आइसोलेशन कोच में तब्दील किया है जिसमें लगभग 70,000 बिस्तर तैयार किए गए हैं। यह आइसोलेशन कोच राज्यों की मांग पर भारतीय रेलवे के नेटवर्क पर एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जाए जा सकते हैं। संबंधित जिला प्राधिकरण और रेलवे के बीच त्वरित समझौता ज्ञापनों पर काम किया जा रहा है जिसमें साझा दायित्व और कार्य योजना शामिल है। ताजा अपडेट के अनुसार नागालैंड और गुजरात ने भी भारतीय रेलवे से आइसोलेशन डिब्बों की मांग की और रेलवे ने इस पर तत्काल कदम उठाते हुए गुजरात के साबरमती और चंडलोडिया तथा नागालैंड के दीमापुर में रेल डिब्बे तैनात कर दिए। रेलवे कोविड-19 दिशा निर्देशों के पालन के साथ-साथ सेवा पर तैनात राज्यों के चिकित्सा कर्मियों को बेहतर कार्य अनुभव और सहूलियतें उपलब्ध कराने के लिए भी प्रतिबद्ध है। कुछ स्थानों पर रेलवे अधिकारी नए प्रकार के लॉजिस्टिकल सॉल्यूशंस उपलब्ध करा रहे हैं जिसमें मरीजों को बिना किसी बाधा के कोविड-19 डिब्बों तक पहुंचाने के लिए रैंप और आइसोलेशन कोच के आसपास के प्लेटफार्म क्षेत्र को अलग से आरक्षित करना शामिल है ताकि चिकित्सा कर्मियों की आवाजाही सुगम रहे और चिकित्सा संबंधी सामानों को भी आसानी से लाया ले जाया जा सके। आइसोलेशन डिब्बों के आसपास शिविर भी लगाए गए हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि रेल कर्मियों ने रैंप्स उपलब्ध कराने के लिए युद्ध स्तर पर काम किया।